एनएचएआई ने डीपीआर बनाने को जारी किया टेंडर, पांच वर्षों से पीपीपी मोड के फेर में लटकी थी सड़क

बख्तियारपुर-रजौली सड़क निर्माण की उम्मीद जगी

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

पांच वर्षों से लटकी बख्तियारपुर व रजौली सड़क के निर्माण के आसार जग गए हैं। अब यह सड़क चार लेन की बनेगी। राज्य सरकार से सड़क को वापस लेने के बाद अब एनएचएआई ने इसका डीपीआर बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। चयन के बाद एजेन्सी को छह माह में डीपीआर बनाना होगा। उसके बाद निर्माण के लिए टेंडर होगा। अब यह सड़क पीपीपी मोड में नहीं बनेगी बल्कि केन्द्र सरकार इसका निर्माण करेगी। बख्तियारपुर व रजौली सड़क को राज्य सरकार गंगा पर बन रहे ताजपुर- बख्तियारपुर पुल से जोड़ना चाहती है। ऐसा होने पर राज्य में एक नया रोड कॉरिडोर तैयार हो जाएगा। झारखंड उत्तर बिहार से सीधे जुड़ जाएगा। लेकिन इस सड़क का मामला वन क्लियरेंस को लेकर ही काफी दिनों तक फंसा रहा। बाद में जमीन की समस्या भी आई। लिहाजा 2015 में पथ विकास निगम ने इस सड़क को केन्द्र सरकार को वापस करने का फैसला किया। उसके बाद अब जाकर इसका डीपीआर बनाने का टेंडर हुआ है। नवादा जिले के रजौली और पटना जिले के बख्तियारपुर के बीच बनने वाली फोरलेन सड़क उस समय पीपीपी मोड में बननी थी। यह काम हैदराबाद की एक कंपनी को वर्ष 2012 में आवंटित किया गया था। लेकिन लंबे समय तक यह मामला अटका रहा तो पथ निर्माण विभाग ने इस सड़क से अपना हाथ खींच लिया। इस काम में न तो राज्य सरकार को एक पैसा देना था और न ही केन्द्र सरकार द्वारा सारा पैसा काम करने वाली एजेन्सी को दिया जाना था। लागत राशि बाद में उपभोक्ताओं से वसूली जाती। लेकिन देशभर में पीपीपी मोड की सड़कें बननी लगभग बंद हो गई। कंपनियों को इस मोड में सड़क बनाने पर मुनाफा नहीं होता था। अब इसके निर्माण पर सरका अपना पैसा खर्च करेगी।

ये होगा फायदा

- बख्तियारपुर व रजौली सड़क गंगा पर बन रहे ताजपुर-बख्तियारपुर पुल से जुड़ेगी
- राज्य में नया रोड कॉरिडोर तैयार होगा व झारखंड उत्तर बिहार से सीधे जुड़ जाएगा

सड़क पर एक नजर

107.92 किमी लंबाई
180 दिन में बनेगा डीपीआर
04 लेन की होगी सड़क
2012 में पहली बार आवंटित हुआ था काम